नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

बाल रंग कार्यशाला का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन

कला-संस्कृति बढ़ाने विश्वविद्यालय हमेशा अग्रसर– प्रो. गिरीश्वर मिश्र

नाटक, नृत्य और वारली चित्रकला का दिया प्रशिक्षण

वर्धा, 29 मई 2018 : विश्वविद्यालय आसपास के समाज में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। हम चाहते हैं कि बच्चों में बचपन से ही कलाओं के प्रति लगाव बढ़े और वें जीवन में कला के माध्यम से अपना नाम रौशन करें। विश्वविद्यालय की ओर से

पिछले वर्ष से बालरंग कार्यशाला कलाओं के प्रशिक्षण के एक अभियान के रूप में प्रारंभ की गयी थी, इसे हम निरंतर जारी रखेंगे। उक्त प्रतिपादन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किये। वे विश्वविद्यालय में आयोजित नाटक, नृत्य और चित्रकला प्रशिक्षण की कार्यशाला "बालरंग" के समापन समारोह में बोल रहे थे। सोमवार, 28 मई

को ग़ालिब सभागार में कार्यशाला का समापन किया गया। इस अवसर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, श्रीमती माधुरी मिश्र, कहानीकार डॉ. उषा शर्मा, विश्वविद्यालय के अध्यापक, बच्चों के अभिभावक, वर्धा शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इस अवसर पर कुलपति एवं प्रतिकुलपति द्वारा सहभागी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्रोफेसर, कार्यशाला की निर्देशक एवं प्रशिक्षक डॉ. सुरभि विप्लव ने किया एवं आभार संयोजक बी. एस. मिरगे ने माना।

विश्वविद्यालय में बालरंग कार्यशाला 16 से 28 मई के दौरान आयोजित की गयी जिसमें बच्चों को नृत्य, नाटक एवं वारली चित्रकला का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के समापन पर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचत, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचतंत्र की कहानी जैसे सामाजिक विषयों पर नृत्य, नाटक प्रस्तुत किये। कार्यशाला के अंतर्गत विश्वविद्यालय के गांधी हिल्स पर बच्चों द्वारा वारली पेंटिंग की गयी जिसमें वर्धा के कला शिक्षक आशीष पोहाने के मार्गदर्शन में नेहा भोगे, करिष्मा जालान, अक्षय सोमनकर, किमया पोहाने एवं निखील आदि कलाकारों ने प्रशिक्षक के रूप में सहयोग दिया।

कार्यशाला के दौरान आकाशवाणी के जाने-माने कलाकार, कथाकार नवनीत मिश्र तथा कहानीकार डॉ. उषा शर्मा ने रोचक एवं मूल्य शिक्षा पर आधारित कहानियां सुनायी। कार्यशाला में नाटक का प्रशिक्षण डॉ. सुरभि विप्लव ने, नृत्य का प्रशिक्षण नीरज छिलवार ने तथा वारली चित्रकला का प्रशिक्षण आशीष पोहाने एवं नेहा भोगे ने दिया। कार्यशाला में डॉ. स्मिता त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा। रूप सज्जा एवं वेशभूषा में नेहा झा, प्रगति मिरगे, सुधा त्रिपाठी और शुभांगी रेवतकर ने सहयोग दिया। स्वयंसेवक के रूप में शिव कुमार, विष्णु कुमार, आकाश कांबले, अजय दहिया, फोटोग्राफी में राजदीप राठौर, वीडियोग्राफी में अभितोष दुबे ने सहयोग दिया। प्रकाश व्यवस्था आकाश कांबले एवं सुनील गावसकर की रही। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए डॉ. हिमांशु नारायण, अश्विनी राठौर, विनोद ढगे, दीपक साल्वे, उमेश कुमार ने प्रयास किये।